खण्ड संख्या 97
जनवरी–मार्च, 2021

परिषद् समाचार पत्रिका

केंद्रीय मंत्री माननीय किरण रिजिजू ने आयुश मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया।

इस अंक में

72वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन – 26 जनवरी, 2021 — 4–5

श्री किरेन रिजिजू ने आयुष मंत्रालय का कार्यभार संभाला — 5

इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी: आयुष अनुसंधान परिषद की पत्रिकाओं के बीच पहला स्कोपस अनुक्रमित जर्नल — 5–6

महत्वपूर्ण बैठकें — 6–9
वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की बैठक
नैदानिक अनुसंधान हेतु विशेष समिति
नोसोड विशेषज्ञ समिति की बैठक
हिंदी त्रैमासिक बैठक

मेडीसिंथ के साथ संगम ज्ञापन — 9

सीसीआरएच – 2021 में नए नियुक्त हुए अनुसंधान अधिकारियों के लिए परिचय प्रशिक्षण कार्यक्रम — 9–13

प्रशिक्षण कार्यक्रम/ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम /वेबिनार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन — 13–14

विश्व कैंसर दिवस 2021 — 14–15

संगोष्ठियों/सम्मेलन/परिचर्चाओं/वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सीएमई/कार्यशालाओं में भागीदारी — 15–16

अनुसूचित जाति उप कार्यक्रम (एससीएसपी) — 16–18

प्रेरण समारोह — 18–19

पोषण पखवाड़ा — 19–25

महिला दिवस समारोह — 25–26

सेवानिवृत्ति — 26

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

परिषद् का होम्योपैथिक अनुसंधान कार्य

मूल्यवान एवं उत्कृष्ट प्रकाशन

1. औषध मोनोग्राफ
2. रोग मोनोग्राफ
3. औषध प्रमाणन
4. नैदानिक अनुसंधान
5. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (मा.शि.स्वा.)
6. नैदानिक सत्यापन
7. औषध मानकीकरण
8. साहित्यक अनुसंधान

नोटः

- पुस्तकों को भेजने के लिए, पाठकों से निवेदन है कि वे सर्वप्रथम अपनी आवश्यकतानुसार पुस्तकों की सूची भेजें।
- डाक (स्पीड पोस्ट द्वारा) एवं देय पुस्तकों की लागत परिषद् द्वारा सूचित की जाएगी।
- पाठक 'महानिदेशक, सीसीआरएच, नई दिल्ली' के पक्ष में मांगपत्र द्वारा भुगतान करें।
- पाठकों को स्पीड पोस्ट शुल्क जोड़ने की सुविधा के लिए पुस्तकों का भार उल्लेखित किया गया है।
- मांगपत्र की रसीद के बाद पुस्तकों को भेजा जाऐगा।
- पुस्तकें अब online खरीदने का भी प्रावधान है।

वेबसाइट –www.ccrhindia.org ईमेल – ccrhpublications@gmail.com

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्
(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
जवाहर लाल नेहरू भारतीय चिकित्सा एंव होम्योपैथी अनुसंधान भवन
61–65, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058
दूरभाषः 91–11–28525523, फेक्सः 91–11–28521060
ईमेलः ccrhpublications@gmail.com, rk.manchanda@nic.in

जनवरी–मार्च 2021

संपादक–मंडल

मुख्य संपादक
डॉ. अनिल खुराना
महानिदेशक

संपादक
डॉ. शाजी कुमार आर.टी.

सह–संपादक
डॉ. दिव्या तनेजा
डॉ. दिप्ति सिंह

हिंदी अनुवाद
श्रीमती रश्मि झा

सचिविय सहायक
डॉ. अनुपम मुखर्जी
श्री अरविन्द कुमार

महानिदेशक की मेज़ से

समाचार पत्रिका का यह अंक दिनांक 8 अक्टूबर, 2020 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित परिषद् के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की 66वीं बैठक का साक्षी है। समिति ने अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से आठ प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनमें से अधिकांश परियोजनाएं कोविड–19 से संबंधित हैं। सीसीआरएच की 25वीं केंद्रीय नैतिकता समिति की एक वर्चुअल बैठक 19 नवंबर, 2020 को आयोजित की गई थी। उसी बैठक की एक संक्षिप्त रिपोर्ट इस अंक में शामिल है।

पाठक इस अंक में, सीसीआरएच और सीएचओ द्वारा होम्योपैथी में साक्ष्य–आधारित नैदानिक अनुसंधान के लिए अभ्यास दिशानिर्देशों पर आयोजित संयुक्त वेबिनार और परिषद् के वैज्ञानिकों के लिए सीसीआरएच द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण वेबिनार श्रृंखला के विवरण पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट पढ़ सकते हैं। परिषद के तहत अनुसंधान केंद्रों ने कार्यशालाओं, सतर्कता जागरूकता पर जागरूकता कार्यक्रम और वेबिनार, कोविड–19 के लिए जन आंदोलन स्वास्थ्य प्रतिक्रिया, आयुष प्रतिरक्षा अभियान और स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया है। उपरोक्त कार्यक्रमों पर विस्तृत रिपोर्ट इसी अंक का एक भाग है।

मानसिक स्वास्थ्य में राष्ट्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच), कोट्टायम ने 10 अक्टूबर 2020 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया । इस कार्यक्रम की रिपोर्ट के साथ–साथ इकाई की अन्य गतिविधियों को भी इस अंक में शामिल किया गया है।

पाठकों को वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करने के एक भाग के रूप में "आयुष प्रतिरक्षा अभियान की आम लोगों तक पहुंच" और "नींद (निद्रा) संबंधित विकारों में होम्योपैथिक हस्तक्षेप एवं प्रबंधन की भूमिका" पर लेख पढने को मिलेगा। आशा है कि यह अंक आपको परिषद की गतिविधियों से अद्यतन और जोड़े रखेगा।

डॉ. अनिल खुराना
महानिदेशक (प्रभारी)

72वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन – 26 जनवरी, 2021

- 26 जनवरी 2021 को सीसीआरएच मुख्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच ने इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभा को संबोधित किया।
- इसी प्रकार, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुवाहाटी ने अपने परिसर में पूरे उत्साह के साथ 72वां गणतंत्र दिवस मनाया। डॉ. रंजीत सोनी, प्रभारी अधिकारी, आरओ(एच)/एस–1 ने कुछ कर्मचारियों की उपस्थिति में पूर्ण सम्मान और प्रतिष्ठा के साथ सुबह लगभग 8 बजे कार्यालय भवन के सामने राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। संस्थान के स्टाफ के अलावा कुछ बाहरी लोग भी उपस्थित थे, जिनमें विशेष रूप से, श्री आर.आर बनर्जी, लैब तकनीशियन और श्री अलमत हुसैन, अ. श्रे.लि शामिल थे। तत्पश्चात एक ताल में राष्ट्रगान ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। राष्ट्रीय तिरंगा फहराने के बाद, प्रभारी अधिकारी ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी द्वारा प्राप्त पूर्ण स्वराज के महत्व और राष्ट्र के समग्र विकास के लिए भारत के संविधान के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों के बीच मिठाई और अल्पाहार का वितरण किया गया।

आरआरआई (एच), गुवाहाटी में 72वां गणतंत्र दिवस समारोह

- आरआरआई (एच), पुरी में 26 जनवरी 2021 को सुबह 8:30 बजे संस्थान के मार्चीकोट लेन भवन के परिसर में आरआरआई (एच) पुरी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस संस्थान के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा गाया गया राष्ट्रगान ''जन गण मन'' के बाद प्रभारी अधिकारी द्वारा झंडा फहराया गया। तत्पश्चात बैठक आयोजित की गई। बैठक का समापन आरआरआई (एच) पुरी के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच मिठाई और अल्पाहार के वितरण के साथ हुआ।

आरआरआईएच, पुरी में 72वां गणतंत्र दिवस समारोह

- 72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जब पूरा देश उस दिन को मनाता है जब भारत का संविधान लागू हुआ था, इस कार्यक्रम को एनएचआरआईएमएच में प्रभारी अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर और सभी कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान गाकर और राष्ट्र को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मनाया गया। प्रभारी अधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित किया और उसके बाद अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए। मिठाई के वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ और सभी कोविड–19 प्रोटोकॉल जैसे मास्क पहनना और दूरी बनाए रखना इत्यादि का सख्ती से पालन किया गया।

एनएचआरआईएमएम के प्रभारी अधिकारी इस अवसर पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए

श्री किरेन रिजिजू ने आयुष मंत्रालय का कार्यभार संभाला

माननीय मंत्री श्री श्रीपद येसो नाइक, आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की सड़क यातायात दुर्घटना की दुर्भाग्यपूर्ण घटना और उनके अस्पताल में भर्ती होने के बाद दिनांक 19 जनवरी, 2021 को आयुष मंत्रालय का प्रभार अस्थायी रूप से श्री किरेन रिजिजू, माननीय युवा मामले एवं खेल मंत्री को सौंपा गया।

इंडियन जर्नल अश्वफ रिसर्च इन होम्योपैथीः आयुष अनुसंधान परिषद की पत्रिकाओं के बीच पहला स्कोपस अनुक्रमित जर्नल

आईजेआरएच को सितंबर 2019 में स्कोपस में शामिल करने के लिए स्वीकार किया गया था और बाद के महीनों में अनुक्रमण और सामग्री अपलोड करना शुरू किया गया । स्कोपस सहकर्मी–समीक्षित साहित्यय जैसे – वैज्ञानिक पत्रिकाएं, किताबें और सम्मेलनों की कार्यवाही इत्यादि का सबसे बड़ा सार और उद्धरण डेटाबेस है ।

इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी (0974–7168 / 2320–7094) का सामग्री चयन और सलाहकार बोर्ड (सीएसएबी) द्वारा स्कोपस में शामिल करने के लिए मूल्यांकन किया जा रहा था, जिन्होंने सलाह दी थी कि उनकी समीक्षा के आधार पर शीर्षक को स्कोपस में शामिल करने के लिए स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने टिप्पणी की कि "विश्वास आधारित, आयुर्वेदिक और एकीकृत चिकित्सा पत्रिकाओं को कभी–कभी उनके वैज्ञानिक मूल्यांकन की प्रकृति के लिए मुख्यधारा के चिकित्सा हलकों में संदेह के साथ देखा जाता है। हालांकि, जैसा कि इस पत्रिका का शीर्षक इसके उद्देश्य और दायरे को बिल्कुल स्पष्ट करता है, मेरा मानना है कि इसे स्कोपस में सुरक्षित रूप से स्वीकार किया जा सकता है, जहां इसका प्रदर्शन नियमित मूल्यांकन के अधीन रहेगा।" जर्नल इंडेक्सिंग प्रकाशन नैतिकता को बनाए रखने में सहायता करता है और विश्वसनीयता, आउटरीच और प्रतिष्ठा, पाठकों और जर्नल लेखों के प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण है।

स्कोपस इंडेक्सिंग एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि आईजेआरएच में प्रकाशित शोध मदों का वैश्विक अनुसंधान समुदाय पर एक बेहतर पहुंच और प्रभाव होगा । हाल ही में, आयुष मंत्रालय ने स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों के महत्व पर भी प्रकाश डाला है ।

दुनिया भर में, स्कोपस का उपयोग 3,000 से अधिक शैक्षणिक, सरकारी और कॉर्पोरेट संस्थानों द्वारा किया जाता है और इसे पूरे शैक्षणिक समुदाय में शोधकर्ताओं, शिक्षकों, छात्रों, प्रशासकों और पुस्तकालयाध्यक्षों की सूचना संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। स्कोपस शोधकर्ताओं को प्रतिस्पर्धी अंतर्दृष्टि खोजने, उत्पादकता में सुधार करने, प्रमुख शोध को ट्रैक करने, समय बचाने और प्रतियोगिता में आगे रहने में मदद कर सकता है। स्कोपस साहित्य समीक्षा, किसी विषय की उपयुक्त पत्रिकाओं, उद्धरणों की खोज, प्रभाव आदि के लिए शोधकर्ताओं और लेखकों का समर्थन करता है।

स्कोपस संपादकों और समीक्षकों को विषय विशेषज्ञों की पहचान करने और उनसे संपर्क करने और लेखक के पूर्व प्रकाशित

कार्य का मूल्यांकन करने में सहायता करता है। व्यक्तिगत शोधकर्ताओं और संस्थानों के वैज्ञानिक उत्पादन का भी आकलन किया जा सकता है। इसके अलावा, स्कोपस में अनुक्रमण स्वचालित रूप से यूजीसी–केयर सूची में आईजेआरएच को भी शामिल करता है। यूजीसी–केयर सूची के समूह II में स्कोपस जैसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त डेटाबेस में अनुक्रमित जर्नल शामिल हैं, जिसे यूजीसी द्वारा ईमेल पत्राचार के माध्यम से सत्यापित किया गया था। आईजेआरएच की संपादकीय टीम अपने प्रस्तुतीकरण की समीक्षा की उच्च गुणवत्ता के माध्यम से भविष्य में पत्रिका को और अधिक विश्वसनीयता लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे अधिक लेखकों को आकर्षित किया जा सके जिनके पास वैज्ञानिक समुदाय को पेश करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य है।

महत्वपूर्ण बैठकें

वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की बैठक

- ***6 मार्च 2021 को वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की 67वीं बैठक का आयोजनः***

डॉ. वी.के. गुप्ता की अध्यक्षता में 6 मार्च 2021 को वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की 67वीं बैठक को वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया। बैठक में भाग लेने वाले अन्य सदस्यों में डॉ एन राधा, डॉ एम.पी. आर्य, डॉ. संगीता ए दुग्गल, डॉ. आलोक पारीक, डॉ. के.एम. धवले, डॉ. अश्विनी कुमार द्विवेदी, प्रो. (डॉ.) कंजक्ष घोष, डॉ. नंदिनी शर्मा और डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक एवं सदस्य सचिव शामिल थे।

बैठक में भाग लेने वाले विशेष आमंत्रित व्यक्तियों में: डॉ. एल.के. नंदा, अध्यक्ष, नैदानिक अनुसंधान हेतु विशेष समितिय डॉ. जे. डी. दरयानी, अध्यक्ष, मानव रोगजनक परीक्षण हेतु विशेष समिति (औषधि प्रमाणन); डॉ. एस.पी. सिंह, अध्यक्ष, औषधि मानकीकरण के लिए विशेष समिति और प्रो. (डॉ.) सी. नायक, अध्यक्ष, मौलिक अनुसंधान के लिए विशेष समिति शामिल थे । डॉ. शैलेंद्र के. सक्सेना, प्रोफेसर और प्रमुख, उन्नत अनुसंधान केंद्र, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ को भी बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. वी.के. गुप्ता, अध्यक्ष, एसएबी, ने अपने उद्घाटन भाषण में उन सभी शुभचिंतकों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की, जब वह कोविड से पीड़ित थे और उन्होंने डॉ. जे.डी. दरयानी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच के नेतृत्व में कोविड के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्सेनिक एल्बम के वितरण के लिए सीसीआरएच द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने डॉ. संगीता दुग्गल को बधाई दी, जिन्हें आयुष मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार (होम्यो.) के पद पर नियुक्त किया गया है और उनसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कोविड–19 के लिए आर्सेनिक एल्बम के वितरण के लिए सीसीआरएच द्वारा किए गए कार्यों को लोकप्रिय बनाने का अनुरोध किया ।

बोर्ड द्वारा अनुशंसित प्रमुख प्रस्ताव इस प्रकार थे:

1. मुख्य रूप से अनुसूचित जाति के रूप में पहचाने जाने वाले क्षेत्रों में स्वच्छ भारत से जुड़ी सामान्य आबादी की क्षमता निर्माण के साथ स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता और प्रबंधन
2. कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) के नियंत्रण में रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम में होम्योपैथी को एकीकृत करने के लिए अनुसंधान अध्ययन।
3. गैर–संचारी रोग के रोगियों पर कोविड–19 महामारी का प्रभाव और प्रबंधनः कृष्णा और दार्जिलिंग जिले के आयुष एलएसडी क्लीनिकों में एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
4. मानक उपचार दिशानिर्देश – खंड–3

मौलिक अनुसंधान के लिए विशेष समिति द्वारा अनुशंसित अन्य प्रस्तावों को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है।

बोर्ड ने सामान्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं की भी सिफारिश की:

1. बोर्ड चाहता था कि विभिन्न संस्थानों के एसएसी को बैठकें आयोजित करने के लिए तारीख दिया जाए और संस्थानों/इकाइयों के एसएसी द्वारा अनुमोदित सभी प्रस्तावों को संबंधित विशेष समितियों के समक्ष रखा जाए।
2. विशेष परिस्थितियों को छोड़कर यदि यह जनहित में हो, सभी नए प्रस्तावों की जांच आयुष के सक्षम प्राधिकारी द्वारा गठित संबंधित विशेष समिति द्वारा की जानी चाहिए।
3. बोर्ड ने सुझाव दिया कि व्यक्तिगत विशेष समिति की बैठकें आयोजित की जानी चाहिए और व्यक्तिगत विशेष समिति की

बैठक के एजेंडे पर विचार करते हुए एसएबी को अक्सर आयोजित किया जा सकता है।

- ***12 मार्च 2021 को वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की 67वीं बैठक की बैठक स्थगित:***

बैठक के पहले दिन समय की कमी के कारण कार्यसूची को पूरा नहीं किया जा सका और इसलिए 12 मार्च को अपराह्न 2:00 बजे डॉ. वी.के. गुप्ता की अध्यक्षता में द्वितीय वर्चुअल बैठक आयोजित की गयी । बैठकमें भाग लेने वाले अन्य बोर्ड सदस्यों में डॉ एन राधा, डॉ एम.पी. आर्य, डॉ संगीता ए दुग्गल, डॉ अश्विनी कुमार द्विवेदी, प्रो (डॉ) कंजक्ष घोष और डॉ अनिल खुराना, महानिदेशक और सदस्य सचिव शामिल थे ।

बैठक में भाग लेने वाले विशेष आमंत्रित व्यक्ति थेः डॉ. एल.के. नंदा, अध्यक्ष नैदानिक अनुसंधान के लिए विशेष समितिय डॉ. जे.डी. दरयानी, अध्यक्ष, मानव रोगजनक परीक्षण (औषधि प्रमाणन) के लिए विशेष समिति और प्रो. (डॉ.) सी. नायक, अध्यक्ष मौलिक अनुसंधान के लिए विशेष समिति।

एसएबी के अध्यक्ष ने इच्छा जाहिर की कि सीसीआरएच की विभिन्न विशेष समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों को निम्नलिखित टिप्पणियों से अवगत कराया जाएः

पिछले 200 वर्षों के दौरान, होम्योपैथी अपने चिकित्सकों की नैदानिक सफलता के कारण जीवित रही है। वर्तमान शोध केवल चिकित्सकों द्वारा देखे गए नैदानिक प्रभावों को मान्य कर रहा है। सभी गंभीर प्रयासों और उपलब्ध संसाधनों के बावजूद, औषधीय अध्ययनों ने अभी तक होम्योपैथिक दवाओं की प्रभावकारिता के प्रामाणिक तरीके की व्याख्या नहीं की है। जैसे–जैसे हम डेंगू, कोविड –19, जापानी इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम आदि रोगों में सफलता के दावों के साथ आगे बढ़ रहे हैं, औषधीय अनुसंधान के साथ हमारे नैदानिक अध्ययनों का समर्थन करने की आवश्यकता बढ़ रही है। इस संदर्भ में उन्होंने आग्रह किया कि विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिकों को इस तरह के अध्ययन करने में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि होम्योपैथी को वैज्ञानिक समुदाय द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार किया जा सके।

एक अच्छी तरह से डिजाइन किया गया, कठोर अध्ययन प्रोटोकॉल एक वैध शोध परिणाम का आधार है। सीसीआरएच दुनिया में केवल सरकारी होम्योपैथिक अनुसंधान संगठन होने के कारण, इस संगठन के विभिन्न सलाहकार निकायों में शामिल वैज्ञानिकों पर परिषद की एक बड़ी जिम्मेदारी है। समकालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वैज्ञानिक प्रमाणों को प्राप्त करने की आवश्यकता है। अंत में, उन्होंने विशेष समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों से प्रोटोकॉल का कठोरता से मूल्यांकन करने का अनुरोध किया और यदि आवश्यक हो तो संबंधित क्षेत्रों से अधिक महत्वपूर्ण समीक्षा के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा सकता है।

साथ ही उल्लिखित प्रस्तावों की बोर्ड द्वारा जांच की गई और यह वांछित था कि संबंधित विशेष समितियां पहली बार में प्रस्तावों की सिफारिश करें।

नैदानिक अनुसंधान के लिए विशेष समिति

- ***26 मार्च, 2021 को नैदानिक अनुसंधान के लिए विशेष समिति की 17वीं बैठक***

सीसीआरएच की नैदानिक अनुसंधान के लिए 17वीं विशेष समिति की वर्चुअल बैठक 26 मार्च, 2021 को पूर्वाह्न 11.30 बजे डॉ. एल के नंदा की अध्यक्षता में केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के समिति कक्ष में आयोजित की गई थी। महानिदेशक ने अध्यक्ष और समिति के सभी सदस्यों का स्वागत किया और एम्स, झज्जर और जेजे अस्पताल, मुंबई में कोविड–19 पर उपचार अध्ययन शुरू करने के लिए खुद को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए समिति के सदस्य डॉ नवल कुमार वर्मा के योगदान की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने प्रोस्टेट वृद्धि पर सफदरजंग अस्पताल में नैदानिक अध्ययन में भी अपने प्रयासों में योगदान दिया।

समिति ने निम्नलिखित प्रस्तावों की सिफारिश कीः

1. पशु मॉडल पर होम्योपैथिक दवाओं (अल्फा–अल्फा, एवेना सैटिवा और अल्फा–एवेना बायोसेयूटिकल) की सुरक्षा का मूल्यांकन।
2. कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और हृदय स्ट्रोक के नियंत्रण में रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम में होम्योपैथी को एकीकृत करने के लिए अनुसंधान अध्ययन (एनपीसीडीसीएस)

3. हाइपोथायरायडिज्म के उपचार में व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवाओं की प्रभावकारिता– मानक देखभाल के संदर्भ में एक यादृच्छिक प्लेसबो–नियंत्रित पायलट अध्ययन
4. गर्भाशय फाइब्रॉएड के कारण अत्यधिक मासिक धर्म रक्तस्राव में विंका मायनर और व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवाओं की प्रभावकारिताः एक खुला, यादृच्छिक, प्लेसबो–नियंत्रित, थ्री आर्म प्रारंभिक नैदानिक परीक्षण।
5. बीपीई के कारण एलयूटीएस से ग्रसित भोले पुरुषों के उपचार में सबल सेरुलता, तमसुलोसिन और दोनों के संयोजन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने वाला एक तुलनात्मक अध्ययन।
6. गैर–छोटे फेफड़ों के कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी/रेडियोथेरेपी के सहायक उपचार के रूप में होम्योपैथिक दवा की भूमिका का मूल्यांकन करने वाला एक पायलट अध्ययन और आणविक रूपरेखा के साथ सहसंबंध।

समिति को उन 18 नए अध्ययनों के बारे में बताया गया जो एसएबी की मंजूरी मिलने के बाद कोविड–19 के लिए शुरू किए गए थे, जिनमें से 13 पूरे हो चुके हैं। निम्नलिखित रोगनिरोधी अध्ययनों की स्थिति समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई।

1. दिल्ली में रेड जोन के हॉटस्पॉट्स में रहने वाले व्यक्तियों में कोविड–19 की रोकथाम में आर्सेनिकम एल्बम 30सी की प्रभावशीलता– एक तुलनात्मक समूह अध्ययन (सीटीआरआई/2020/05/024986)
2. रेड जोन के हॉट स्पॉट में रहने वाले व्यक्तियों में कोविड –19 की रोकथाम में आर्सेनिकम एल्बम 30सी की प्रभावशीलता– एक बहुकेंद्रित, यादृच्छिक, क्लस्टर स्तर, नियंत्रित परीक्षण (सीटीआरआई/2020/05/025205)

समिति की इच्छा थी कि अध्ययन की पांडुलिपियों को पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए स्वीकार किए जाने के बाद समिति के सदस्यों के साथ साझा किया जाए।

नोसोड विशेषज्ञ समिति की बैठक

परिषद के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) की 67वीं बैठक में कोविड–19 से संबंधित नोसोड प्रस्तावों पर चर्चा के लिए एक विशेषज्ञ समूह के गठन की सिफारिश की गई। इस संबंध में, एक ऑनलाइन वर्चुअल विशेषज्ञ समिति की बैठक 27 मार्च 2021 को पूर्वाह्न में आयोजित की गई थी। सीसीआरएच के एसएबी द्वारा गठित विशेषज्ञ नोसोड समिति के सदस्यों में डॉ. कंजक्ष घोष, पूर्व निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहेमेटोलॉजी, मुंबईय डॉ देबप्रसाद चट्टोपाध्याय, वैज्ञानिक–जी और निदेशक, आईसीएमआर–राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान, बेलगावीय डॉ. भास्कर साहा, वैज्ञानिक अधिकारी जी, राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र, पुणे और डॉ. एस.पी. सिंह, अध्यक्ष, सीसीआरएच के औषधि मानकीकरण के लिए विशेष समिति, शामिल थे । उपरोक्त सभी विशेषज्ञों ने स्वयं को उपलब्ध कराया और बैठक में भाग लिया। सीसीआरएच से उपस्थित लोगों में डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशकय डॉ. प्रवीण ओबेराई, सहायक निदेशक (होम्यो.), डॉ. देबदत्त नायक, वैज्ञानिक –2 और डॉ. रितिका हसीजा नरूला, वैज्ञानिक –1 और बैठक के समन्वयक शामिल थे । बैठक में चर्चा किए गए नोसोड प्रस्तावों में एम्स झज्जर का प्रस्ताव शामिल था, जिसका शीर्षक था ''कोविड –19 से होम्योपैथिक नोसोड का विकास, मनुष्यों में कोविड –19 संक्रमण के खिलाफ मूल्यांकन और प्रभावकारिता''य लाइफ फोर्स मुंबई से ''स्पाइक ग्लाइकोप्रोटीन से विकसित कोरोनावायरस आधारित नोसोड और इसकी सुरक्षा की खोज'' और केजीएमयू लखनऊ से ''नोवेल कोरोना वायरस रोग 2019 (कोविड–19) की रोकथाम के लिए पेप्टाइड–आधारित नोसोड का विकास''। जांचकर्ताओं द्वारा प्रस्तावों की संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण दिया गया जिसके बाद विशेषज्ञों द्वारा प्रत्येक प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक इस बिंदु पर समाप्त हुई कि सभी 3 प्रस्तावों में संशोधन की आवश्यकता है और विशेषज्ञों द्वारा की गई प्रस्ताव विशिष्ट समीक्षा टिप्पणियों के अनुसार, जांचकर्ताओं द्वारा आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं। संशोधित प्रस्तावों को आगे बढ़ाने से पहले विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की जाएगी।

हिंदी त्रैमासिक बैठक

हिंदी त्रैमासिक बैठक 31.03.21 को आरआरआई (एच), पुरी के गोपाल बल्लव रोड भवन में आयोजित की गई थी। बैठक के मुख्य अतिथि डॉ. ऋषि कुमार, सह–प्राध्यापक, सदाशिब संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी थे, जिन्होंने हिंदी भाषा और इसकी उत्पत्ति और महत्व के बारे में बताया। डॉ. आरती सोरेन, प्रभारी अधिकारी ने कार्यालय के कर्मचारियों को हिंदी में लेख लिखने, पुस्तकालय के लिए हिंदी पर पुस्तकों की खरीद के लिए प्रोत्साहित किया। श्री सोमा रंजन मोहंती, यूडीसी, ने हिंदी भाषा में किए गए आधिकारिक कार्यों के बारे में अवगत करवाया।

मुख्य अतिथि –डॉ. ऋषि कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर सदाशिब संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी

आरआरआई (एच), पुरी में हिंदी त्रैमासिक बैठक

मेडिसिंथ के साथ संगम ज्ञापन

सीसीआरएच, नई दिल्ली और मेडिसिंथ केमिकल्स, मुंबई, महाराष्ट्र के बीच 23 जनवरी 2021 को एक संगम ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह फार्मास्युटिकल उद्योग के साथ पहला ऐसा समझौता ज्ञापन है, जिस पर सीसीआरएच की ओर से डॉ अनिल खुराना के महानिदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। डॉ प्रकाश जोशी, तकनीकी सलाहकार, मेडिसिंथ, डॉ बिंदु शर्मा, सहायक निदेशक (होम्यो.) परियोजना का समन्वय कर रहे हैं। मेडिसिंथ, अल्फाल्फा सिरप, एवेना सैटिवा सिरप और अल्फा–एवेना सिरप के निर्माण के लिए कच्ची जड़ी–बूटियों और मदर टिंचर्स के लिए मानक परीक्षण प्रक्रियाओं सहित एसओपी प्रदान करेगा और सीसीआरएच द्वारा सुरक्षा, प्रभावकारिता, विष विज्ञान और नैदानिक अनुसंधान अध्ययन किए जाएंगे।

सीसीआरएच– 2021 में नए नियुक्त हुए अनुसंधान अधिकारियों के लिए परिचय प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीसीआरएच में नए नियुक्त हुए अनुसंधान अधिकारियों के लिए 11 जनवरी से 4 फरवरी 2021 तक एक ऑनलाइन परिचय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सत्र प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच के मार्गदर्शन में सीसीआरएच मुख्यालय की डॉ वाराणसी रोजा, आरओ (एच) द्वारा किया गया।

संसाधन व्यक्तियों में होम्योपैथी के विशेषज्ञ (सीसीआरएच के वैज्ञानिक), अनुसंधान पद्धतिविज्ञानी, जैव सांख्यिकीविद, होम्योपैथिक विशेषज्ञ, चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल थेय होम्योपैथी में अनुसंधान करने के लिए अपने मौजूदा ज्ञान को समृद्ध करने के लिए प्रशासकों को शामिल किया गया था। इसमें शामिल विशेषज्ञ सीसीआरएच मुख्यालय, सीसीआरएच के तहत एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम, आयुष निदेशालय, एनसीटी, दिल्ली सरकार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली, आईसीएमआर संस्थानय क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी), भुवनेश्वर, राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (एनआईई), चेन्नई, राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान (एनआईएमएस), नई दिल्ली, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर), बेंगलुरु, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, गुरुग्राम, और क्यू मेड फाउंडेशन, मुंबई के थे।

पद्मश्री डॉ. वी.के. गुप्ता, अध्यक्ष, एसएबी, सीसीआरएच (मुख्य अतिथि), श्री. रोशन जग्गी, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय (विशिष्ट अतिथि), उद्घाटन समारोह में आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति थे। गणमान्य व्यक्तियों ने प्रशिक्षुओं को ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अच्छा काम करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक ने सीसीआरएच परिवार में अनुसंधान अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने कौशल के निरंतर उन्नयन पर जोर दिया जो निरंतर ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने से आता है। अनुसंधान शुरू करने के लिए रोगी की भागीदारी, बातचीत, स्वस्थ कार्य वातावरण कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं। रोगियों के साथ व्यवहार करने में सकारात्मकता, केंद्रित गतिविधि, आत्म–प्रश्न द्वारा आलोचनात्मक सोच की कला विकसित करना और उत्तर खोजने और प्रतिबद्धता के साथ काम करने से लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। डॉ गुप्ता ने

होम्योपैथी की खोज करने वाले डॉ सैमुअल हैनिमैन के उदाहरण के साथ, एक सफल शोध करियर के मंत्र के रूप में जिज्ञासा, रचनात्मक सोच, लीक से हटकर सोचने, धैर्य, सकारात्मक दृष्टिकोण और सभी परिस्थितियों में दृढ़ता पर जोर दिया। शोध सार्वजनिक स्वास्थ्य बोझ के विषयों पर केंद्रित होना चाहिए, और सभी शोध पूर्व, गहन साहित्य समीक्षा, और शोध प्रश्न के तार्किक निर्धारण के साथ काम किया जाना चाहिए। श्री रोशन जग्गी, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय ने भी अनुसंधान अधिकारियों का स्वागत किया और प्रयासहीन न होने का आग्रह किया । सुसंगत और हस्तकला प्रत्येक शोध अधिकारी की विशेषता होनी चाहिए। उन्हें एक शोधकर्ता के रूप में अपने रास्ते में सीखना और जिज्ञासु रखना चाहिए जो एक तरफ विज्ञान को बनाए रखने के लिए सबूत बनाता है और दूसरी तरफ विज्ञान को संदेह से भी बचाता है। खचित्र 6, 7,

श्री रोशन जग्गी, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय और डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक सीसीआरएच, नए नियुक्त कर्मचारियों के साथ बातचीत करते हुए।

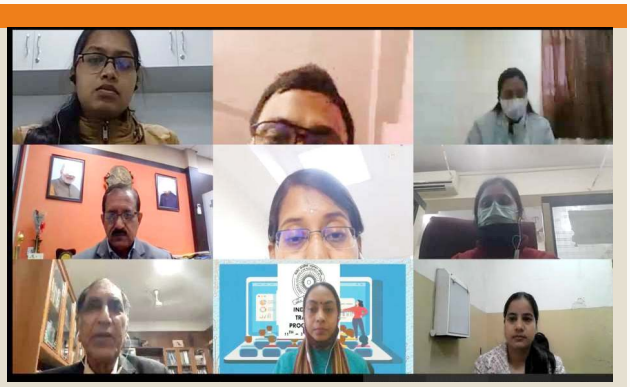

पदमश्री डॉ. वी. के. गुप्ता, अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच और डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच, नए शामिल हुए अनुसंधान अधिकारियों को अपना उद्घाटन भाषण देते हुए

सीसीआरएच के बाहर के संसाधन व्यक्तियों में: डॉ. सी. नायक, पूर्व महानिदेशक, सीसीआरएच, डॉ. आर. के. मनचंदा, निदेशक, आयुष विभाग, भारत सरकार, डॉ. आर.एम पांडे, एम्स, नई दिल्ली, डॉ. संघमित्रा पति, निदेशक, आरएमआरसी, आईसीएमआर, डॉ. रोली माथुर, वैज्ञानिक–ई, आईसीएमआर, डॉ. अतुल जुनेजा, एनआईएमएस, आईसीएमआर, डॉ. तनिका लिंगदोह, अतिरिक्त प्रोफेसर, पीएचएफआई, डॉ रुबीना मूलचंदानी, पीएचएफआई, डॉ विजयगीता एम, सलाहकार–द्वितीय, डॉ राजलक्ष्मी एलुमलाई, सलाहकार–द्वितीय, आईसीएमआर–एनआईई, श्रीमती वसुमती गणेश, संस्थापक, क्यू मेड फाउंडेशन शामिल हैं। व्याख्यान देने और प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत करने वाले परिषद् के विशेषज्ञ हैं: डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, श्री. हरिओम कौशिक, सहायक निदेशक (प्रशासन), डॉ. एन डी मोहन, मनोचिकित्सक, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम, डॉ. बिंदु शर्मा, एस–4, डॉ. प्रवीण ओबराय, एस–4, डॉ. जया गुप्ता, एस–4, डॉ. सुभाष कौशिक, एस–4, डॉ. ओ.पी वर्मा, लाइब्रेरियन, डॉ. पंकज गुप्ता, सहायक निदेशक (फार्मा.), डॉ रेणु मित्तल, एस–3, डॉ. शाजी कुमार, एस–3, डॉ. देवदत्त नायक, एस–3, डॉ. रोजा वाराणसी, एस–3, डॉ. पृथा मेहरा, एस–3, डॉ. चेतना लांबा, एस–3, डॉ. दिव्या तनेजा, एस–2, डॉ. रितिका नरूला, एस–1, डॉ. हरलीन कौर, एस–1, डॉ. अनुप्रिया, एस–1, डॉ. दीप्ति सिंह, एस–1, डॉ. सुहाना अजीस, एस–1, और मीनाक्षी भाटिया, जूनियर लाइब्रेरियन।

चित्र 8: बाएं से दाएं:
शीर्ष पंक्ति: डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच, डॉ पंकज गुप्ता, सहायक निदेशक (पी), (डीपीआरसीआर आईएच), डॉ पृथ्वी मेहरा, वैज्ञानिक–3, (डीपीआरसीआरआई एच), डॉ जया गुप्ता, वैज्ञानिक–4, सीसीआरएच, डॉ प्रवीण ओबरॉय, वैज्ञानिक–4, सीसीआरएच, डॉ देबदत्त नायक, वैज्ञानिक–3, सीसीआरएच। **दूसरी पंक्ति:** डॉ. रितिका नरूला, वैज्ञानिक–1, सीसीआर एच, डॉ. ओ. पी. वर्मा, लाइब्रेरियन, सीसीआरएच, डॉ. रोली माथुर, वैज्ञानिक–ई, एनसीडीआईआर, आईसीएमआर, डॉ. सी. नायक, पूर्व महानिदेशक, सीसीआरएच, डॉ. रेणु मित्तल, एस–3, सीसीआरएच, डॉ. आर. के. मनचंदा, निदेशक, आयुष निदेशालय, दिल्ली सरकार। **तीसरी पंक्ति:** डॉ. एन. डी. मोहन, मनोचिकित्सक, एनएचआरआईएमएच कोट्टायम, डॉ. रुबीना मूलचंदानी, पीएचएफआई, डॉ. दिव्या तनेजा, वैज्ञानिक–2, मीनाक्षी भाटिया, जूनियर लाइब्रेरियन, सीसीआरएच, वसुमती श्रीगणेश, संस्थापक, क्यू मेड। **चौथी पंक्ति:** डॉ. सुभाष कौशिक, वैज्ञानिक–4, डीपीआरसीआरआईएच, डॉ. वाराणसी रोजा, वैज्ञानिक–3, सीसीआरएच, डॉ. बिंदु शर्मा, वैज्ञानिक–4, सीसीआरएच, डॉ. हरलीन कौर, वैज्ञानिक–1, सीसीआरएच, डॉ. अनुप्रिया, वैज्ञानिक–1, सीसीआरएच। **पांचवीं पंक्ति:** डॉ. शाजी कुमार, वैज्ञानिक–3, सीसीआरएच, डॉ. चेतना लांबा, वैज्ञानिक–3, सीसीआरएच, डॉ. सुहाना अजीस, वैज्ञानिक–1, सीसीआरएच, डॉ. संघमित्रापति, निदेशक, आरएमआरसी, आईसीएमआर, श्री हरिओम कौशिक, सहायक निदेशक (प्रशासन), सीसीआरएच।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का कार्यक्रम निम्नानुसार है:

दिन	दिनांक	सत्र	विषय	वक्ता का नाम
दिन 1	11.01.21	सत्र 1	उद्घाटन टिप्पणी	डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच
			उद्घाटन भाषण	श्री रोशन जग्गी, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय
			मुख्य भाषण	पद्मश्री डॉ. वी.के. गुप्ता, अध्यक्ष एसएबी, सीसीआरएच
		सत्र 2	औषध मानकीकरण की गतिविधियों का अवलोकन	डॉ. पंकज गुप्ता, सहायक निदेशक (फार्मा.), सीसीआरएच
दिन 2	12.01.21	सत्र 1	औषध प्रमाणीकरण की गतिविधियों का अवलोकन	डॉ. पृथा मेहरा, एस–3, सीसीआरएच
		सत्र 2	नैदानिक सत्यापन की गतिविधियों का अवलोकन	डॉ. जया गुप्ता, एस–4/सीसीआरएच
दिन 3	13.01.21	सत्र 1	नैदानिक अनुसंधान की गतिविधियों का अवलोकन	डॉ. प्रवीण ओबराय, एस–4/सीसीआरएच
		सत्र 2	महामारी अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन	डॉ. देबदत्त नायक, एस–3/सीसीआरएच
दिन 4	14.01.21	सत्र 1	आधारभूत और मौलिक अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन	डॉ. रितिका नरूला, एस–1/सीसीआरएच
		सत्र 2	सीसीआरएच में पुस्तकालय संसाधन	डॉ. ओ. पी वर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष, सीसीआरएच
दिन 5	15.01.21	सत्र 1	नैतिक दिशानिर्देश	डॉ. रोली माथुर, वैज्ञानिक–ई, आईसीएमआर
		सत्र 2	प्रकाशन नैतिकता	डॉ. सी. नायक, अध्यक्ष, एससीएफआर, सीसीआरएच
दिन 6	16.01.21	सत्र 1	अच्छा नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश	डॉ. रेणु मित्तल, एस–3, सीसीआरएच
		सत्र 2	होम्योपैथी में अनुसंधान करने की चुनौतियाँ	डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच
दिन 7	18.01.21	सत्र 1	व्यक्तित्व विकास कौशल और कार्यस्थल पर पारस्परिक व्यवहार	डॉ. आर.के. मनचंदा, निदेशक, आयुष विभाग, दिल्ली सरकार
		सत्र 2	कार्यस्थल में तनाव का प्रबंधन	डॉ. एन. डी. मोहन, मनोचिकित्सक, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम
दिन 8	19.01.21	सत्र 1	अनुसंधान पद्धति – वर्णनात्मक	डॉ रुबीना मूलचंदानी, पीएचडी स्कॉलर, पीएचएफआई
		सत्र 2	अनुसंधान पद्धति–विश्लेषणात्मक	डॉ. तनिका लिंगदोह, अतिरिक्त प्रोफेसर, पीएचएफआई
दिन 9	20.01.21	सत्र 1	जैव–सांख्यिकी – वर्णनात्मक	डॉ. अतुल जुनेजा, एनआईएमएस आईसीएमआर
		सत्र 2	जैव–सांख्यिकी – अनुमानित	डॉ. आर.एम. पांडे, एम्स

दिन	दिनांक	सत्र	विषय	वक्ता का नाम
दिन 10	21.01.21	सत्र 1	प्रोटोकॉल विकास दिशानिर्देश	डॉ. विजयगीता एम, सलाहकार–द्वितीय, आईसीएमआर–एनआईई
		सत्र 2	साहित्य समीक्षा	डॉ दिव्या तनेजा, एस–2, सीसीआरएच
दिन 11	22.01.21	सत्र 1	खोज सूत्रीकरण , जैसे प्रकाशन और खुली पहुंच	मीनाक्षी भाटिया, जूनियर लाइब्रेरियन, सीसीआरएच
		सत्र 2	संदर्भ प्रबंधक	वसुमती गणेश, संस्थापक, क्यू मेड फाउंडेशन
दिन 12	23.01.21	सत्र 1	दस्तावेजीकरण और रिकॉर्ड कीपिंग	डॉ. सुभाष कौशिक, एस–4, डॉ. डीपीआरसीआरआइएच, नोएडा
		सत्र 2	रिपोर्टिंग दिशानिर्देश	डॉ. रोजा वाराणसी, एस–3, सीसीआरएच
दिन 13	25.01.21	सत्र 1	परभक्षी जर्नल, जर्नल चुनना	डॉ. बिंदु शर्मा, एस–4, सीसीआरएच
		सत्र 2	एक जर्नल और समीक्षा प्रक्रिया के लिए पांडुलिपि जमा करना	डॉ. हरलीन कौर, एस–1, सीसीआरएच
दिन 14	27.01.21	सत्र 1	राष्ट्रीय सहयोग एवं शिक्षा के साथ अनुसंधान को जोड़ना	डॉ अनुप्रिया , एस–1, सीसीआरएच
		सत्र 2	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	डॉ. बिंदु शर्मा, एस–4, सीसीआरएच
दिन 15	28.01.21	सत्र 1	अध्ययन योजना और परियोजना प्रबंधन	डॉ. राजलक्ष्मी एलुमलाई, सलाहकार – द्वितीय, आईसीएमआर–एनआईई
		सत्र 2	संचार के लिए आईटी मंच और उनका उपयोग करने की चेतावनी	डॉ. दीप्ति सिंह, एस–1, सीसीआरएच
दिन 16	29.01.21	सत्र 1	निधिकरण एजेंसियां	डॉ शाजी कुमार, एस–3, सीसीआरएच
		सत्र 2	सीसीआरएच अनुसंधान नीति	डॉ. प्रवीण ओबेरई, एस–4, सीसीआरएच
दिन 17	30.01.21	सत्र 1	एनएबीएच–होम्योपैथी	डॉ चेतना लांबा, एस–3, सीसीआरएच
		सत्र 2	एएचआईएमएस /सोशल मीडिया	डॉ. सुहाना अजीस, एस–1, सीसीआरएच
दिन 18	01.02.21	सत्र 1	सार्वजनिक स्वास्थ्य में अनुसंधान	डॉ. संघमित्रा पति, निदेशक, आरएमआरसी, आईसीएमआर
		सत्र 2	कार्यस्थल पर हिंदी का प्रयोग	डॉ ओ.पी वर्मा, हिंदी अधिकारी
दिन 19	02.02.21	सत्र 1	सीसीएस नियम	श्री हरि ओम कौशिक, सहा. निदेशक (प्रशासन), सीसीआरएच
		सत्र 2	सीसीएस नियम	
दिन 20	03.02.21	सत्र 1	जीएफआर नियम	
		सत्र 2	जीएफआर नियम	
दिन 21	04.02.21	सत्र 1	आरटीआई/पीजीओ	डॉ ओ. पी वर्मा, आरटीआई अधिकारी
		सत्र 2	महानिदेशक के साथ संवाद और समापन टिप्पणी	डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच

प्रशिक्षण कार्यक्रम ने परिषद के नए अधिकारियों को सीसीआरएच में अनुसंधान और कार्यप्रणाली के प्रति व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया। सभी अनुसंधान अधिकारियों को भी विचाराधीन विषयों की बेहतर समझ के लिए अपनी सुविधानुसार प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

- आरआरआईएच गुडीवाडा द्वारा सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होम्योपैथिक दवाओं के फार्माकोविजिलेंस पर जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- डॉ. आर.एस कृष्णेश्वरी, सहायक प्रोफेसर, चिकित्सा अभ्यास विभाग, एनएचआरआईएमएच द्वारा 25 जनवरी 2021 को दोपहर 2.30 बजे से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ''ईसीजी की मूल बातें'' पर वेबिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

कार्यक्रम और वक्ता के विवरण के साथ पोस्टर

- पश्चिम जिले के चिकित्सा अधिकारियों को वितरण, उचित डेटा कैप्चर और दस्तावेजीकरण आदि के बारे में 09–02–2021 को संवेदनशील बनाने के लिए त्रिपुरा के पश्चिमी जिले के इन–सर्विस होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारियों को आर्सेनिक एल्बम 30 के वितरण और केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार के वैज्ञानिकों के लिए संयुक्त रूप से आरआरआई (एच), अगरतला द्वारा एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। होम्योपैथिक दवा आर्सेनिक एल्बम 30 को विभिन्न पीएचसीध्यूपीएचसीध्सीएचसी के अधिकार क्षेत्र के तहत पश्चिमी जिले की सामान्य आबादी के बीच वितरित किया जाएगा।

पश्चिम जिला, त्रिपुरा के चिकित्सा अधिकारियों (होम्यो.) के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डॉ एसजीएस चक्रवर्ती, एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिसिन ऑफ प्रैक्टिस विभाग, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम द्वारा 22 फरवरी 2021 को दोपहर 2.30 बजे से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ''हृदय रोगों के बायोमार्कर'' पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

कार्यक्रम और वक्ता के विवरण के साथ पोस्टर

- एएसयू और एच दवाओं के फार्माकोविजिलेंस पर जागरूकता पर आरआरआईएच, अगरतला द्वारा 27 फरवरी, 2021 को वेबिनार का आयोजन किया गया।
- 22 फरवरी 2021 को दोपहर 2.30 बजे से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से डॉ एसजीएस चक्रवर्ती, एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिसिन ऑफ प्रैक्टिस विभाग, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम द्वारा ''हृदय रोगों के बायोमार्कर'' पर ऑनलाइन वेबिनार। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। खचित्र 11,
- आरआरआईएच, अगरतला द्वारा 27 फरवरी, 2021 को एएसयू और एच दवाओं के फार्माकोविजिलेंस पर जागरूकता पर वेबिनार का आयोजन किया गया।
- 2 मार्च, 2021 को 15वें अंतरराष्ट्रीय त्वचाविज्ञान, कॉस्मेटोलॉजी और एलर्जी शिखर सम्मेलन में डॉ विनीता ईआर एनएचआरआईएमएच, कोट्टाटम द्वारा मीनर रोग पर प्रस्तुति दी गयी ।
- डॉ दीप्ति गिला, अनुसंधान अधिकारी (एच)ध्एस–1, सहायक प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम द्वारा ''मन के लक्षणों को दूर करना – दुर्लभ रूब्रिक्स'' पर वेबिनार 9 मार्च 21 को दोपहर 2.30 बजे से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित किया गया । कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम और वक्ता के विवरण के साथ पोस्टर

- डॉ. डीपी रस्तोगी केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, नोएडा द्वारा 22–23 मार्च 2021 को होम्योपैथिक अनुसंधान में मानव मानसिकता के महत्व पर वेबिनार आयोजित किया गया ।
- डीएसीआरआरआईएच, कोलकाता द्वारा 24 मार्च, 2021 को एएसयू और एच दवाओं के लिए फार्माकोविजिलेंस जागरूकता पर वेबिनार आयोजित किया गया ।

विश्व कैंसर दिवस 2021

- ***आयुष मंत्रालय द्वारा कैंसर अभियान के लिए आयुष***

आयुष मंत्रालय द्वारा ''कैंसर प्रबंधनः होम्योपैथिक अनुभव'' पर 6 फरवरी 2021 को एक ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया

गया था और इसका समन्वय सीसीआरएच द्वारा किया गया था। वेबिनार का सीधा प्रसारण किया गया और होम्योपैथी में प्रख्यात कैंसर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतिकरण शामिल किया गया।

निम्नलिखित विशेषज्ञों ने होम्योपैथी के दृष्टिकोण से कैंसर देखभाल और प्रबंधन के संबंध में अपने विचार, महत्वपूर्ण जानकारी और सवालों के जवाब साझा किए:

- डॉ आलोक पारीक, अध्यक्ष, एलएमएचआई
- डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच
- डॉ वीनू कृष्णन, चिकित्सा अधिकारी, सरकारी होम्योपैथी कैंसर केंद्र
- डॉ गोपाल पटेल, निजी चिकित्सक
- डॉ सुनीरमल सरकार, पूर्व प्रो., एनआईएच

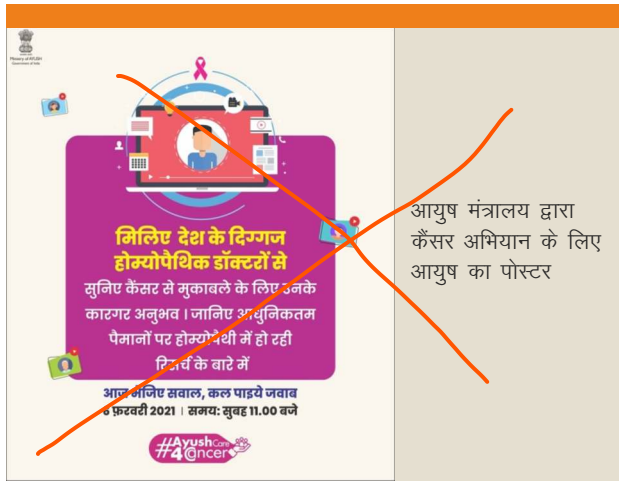

आयुष मंत्रालय द्वारा कैंसर अभियान के लिए आयुष का पोस्टर

- ***एनएचआरआईएम कोट्टायम में कैंसर अभियान***

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर 4 फरवरी 2021 को एनएचआरआईएमएच अस्पताल भवन के परिसर में विभिन्न प्रकार के कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक की अवधारणा और निर्देशन डॉ. मनु चंद्रन (जेआरएफ), द्वारा डॉ. श्रीलक्ष्मी (जेआरएफ), डॉ. पूजा (जेआरएफ) के सहयोग किया गया था। डॉ जसीला वी (तृतीय वर्ष पीजीटी, मनोचिकित्सा विभाग) द्वारा पोस्टर बनाया गया था। प्रतिभागियों में डॉ एन मारिया (जेआरएफ), डॉ श्रीजा (तृतीय वर्ष पीजीटी, मनोचिकित्सा विभाग), डॉ नीलिना (तृतीय वर्ष पीजीटी, मेडिसिन विभाग), डॉ नीतू राज (तृतीय वर्ष पीजीटी, मनोचिकित्सा विभाग), डॉ दीपक (द्वितीय वर्ष पीजीटी, मनोचिकित्सा विभाग), डॉ अर्चना (द्वितीय वर्ष पीजीटी, मेडिसिन विभाग), डॉ नीलिमा (द्वितीय वर्ष पीजीटी, मेडिसिन विभाग), डॉ शक्तिवेल (द्वितीय वर्ष पीजीटी, मनोचिकित्सा विभाग), डॉ शिल्पा (जेआरएफ) ने व्यक्तिगत रूप से विभिन्न प्रकार के कैंसर और कैंसर के मनोवैज्ञानिक पहलू सहित उसके इलाज में होम्योपैथी की भूमिका पर चर्चा की। पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीप्ति गिला, आरओ (एच)ध्एस–1 द्वारा किया गया और कार्यक्रम का समापन डॉ. के.सी.मुरलीधरन, प्रभारी अधिकारी द्वारा किया गया।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम में जेआरएफ, एसआरएफ और पीजीटी द्वारा नुक्कड़ नाटक

डॉ. के. सी. मुरलीधरन, प्रभारी अधिकारी एक संक्षिप्त भाषण के साथ कार्यक्रम का समापन करते हुए

संगोष्ठियों/सम्मेलन/परिचर्चाओं/वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सीएमई/कार्यशालाओं में भागीदारी

- केरल विज्ञान सम्मेलन का 33 वां संस्करण 25 से 30 जनवरी 2021 तक आयोजित किया गया था। स्वास्थ्य विज्ञान पर तकनीकी सत्र 25 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया । एनएचआरआईएमएच कोट्टायम के डॉ के मूर्ति को ऑनलाइन मंच के माध्यम से पोस्टर प्रस्तुति के लिए चुना गया था। पोस्टर का विषय था "कोविड–19 के कारण लॉकडाउन के दौरान भारत में बैंक कर्मचारियों के बीच तनाव और चिंता की व्यापकता" । लॉकडाउन के पहले चरण के दौरान एक ऑनलाइन क्रॉस सेक्शनल अध्ययन किया गया। सर्वेक्षण का लिंक बैंक कर्मचारियों के बीच परिचालित किया गया था। सर्वेक्षण में 1192 बैंक कर्मचारियों ने भाग लिया। अध्ययन में पाया गया कि जिस बैंक में वे कार्यरत थे, उस बैंक के कर्मचारियों के बीच उच्च स्तर का तनाव व्याप्त है।
- डॉ दिव्या तनेजा, आरओ (एच) सीसीआरएच ने बैकसन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, ग्रेटर नोएडा के संकाय के साथ 10.2.2021 को कॉलेज के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान के प्रावधानों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक

की थी। डॉ सीपी शर्मा, प्रिंसिपल, बीएचएमसी एंड एच, डॉ कथिका चट्टोपाध्याय, हेड, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, डॉ अश्विनी नायर, पीजी इंचार्ज और डॉ मीनाक्षी अंबवानी, चीफ एडिटर, कॉलेज मैगजीन के साथ विचार–विमर्श किया गया। डॉ दिव्या तनेजा ने होम्योपैथिक छात्रों के लिए लोकप्रिय लेखन पर एक प्रस्तुति दी।

- एचआरआईडी चेन्नई के अधिकारियों ने शहर की आधिकारिक भाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 10 फरवरी 21 को कोविड–19 निवारक उपायों, जन आंदोलन और प्रतिरक्षा के लिए आयुष पर वेबिनार में संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया।
- नैदानिक परीक्षणों के पंजीकरण एवं एक उपयुक्त पत्रिका में परिणामों को प्रकाशित करने पर एक वेबिनार को 26 फरवरी, 21 को आयोजित किया गया । श्री रोशन जग्गी, संयुक्त सचिव (आयुष) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में वेबिनार का उद्घाटन किया । सीसीआरएच और होम्योपैथिक कॉलेजों के प्रतिभागियों ने इस वेबिनार में अपनी उपस्थिति दी । इस वेबिनार का उद्देश्य पूरे भारत में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेजों के संकाय के बीच अकादमिक लेखन के लिए कौशल और रुचि पैदा करना था। श्री रोशन जग्गी संयुक्त सचिव (आयुष)य वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुषय डॉ अतुल जुनेजा, वैज्ञानिक ई, आईसीएमआर–एनआईएमएस, नई दिल्लीय डॉ सुतापा नियोगी, निदेशक (कार्यकारी), अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान (आईआईएचएमआर) दिल्लीय डॉ रमेश गौर, डीन, आईजीएनसीए और निदेशक (लाइब्रेरी एंड इन्फोर्मेशन) और प्रमुख–कला निधि, आईजीएनसीए, दिल्लीय डॉ बिंदू शर्मा, कार्यकारी संपादक, आईजेआरएच और सहायक निदेशक (एच), सीसीआरएचय और डॉ हरलीन कौर, संपादक, आईजेआरएच और अनुसंधान अधिकारी (एच), सीसीआरएच द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गयी ।
- ऑल इंडिया होम्योपैथिक स्टूडेंट्स एंड यूथ एसोसिएशन ने 18 से 20 मार्च 2021 तक होम्योपैथी रिसर्च एंड प्रैक्टिस (डिजी–एथ–कॉन) पर नैतिकता पर 3 दिवसीय आभासी कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ दिव्या तनेजा, आरओ (एच), सीसीआरएच मुख्यालय ने 18 मार्च 2021 को होम्योपैथी अनुसंधान नैतिकता पर एक पेपर प्रस्तुत किया । डॉ बैदुर्ज्य भट्टाचार्जी, आरओ (एच), सीआरयू (एच), सिलीगुड़ी ने 18 मार्च, 2021 को होम्योपैथी अनुसंधान, इसकी कार्यप्रणाली और वर्तमान स्थिति पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- आरआरआईएच, पुरी ने 26 से 28 मार्च, 2021 को भुवनेश्वर, ओडिशा में विनोभा सेवा प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित आयुर्वेद पर्व में भाग लिया।

सीसीआरएच पुस्तकालय अनुभाग द्वारा अनुसंधान डेटाबेस पर वेबिनार

डॉ ओ. पी. वर्मा, लाइब्रेरियन और श्रीमती मीनाक्षी भाटिया, जूनियर लाइब्रेरियन के तहत सीसीआरएच पुस्तकालय अनुभाग ने सीसीआरएच के अधिकारियों के लिए अनुसंधान डेटा बेस विशेषज्ञों के साथ प्रशिक्षण और बातचीत कार्यक्रम आयोजित किया। ईबीएससीओ डेटाबेस का उपयोग कैसे करें पर 5 फरवरी 2021 को दोपहर 2.30 बजे निम्नलिखित वेबिनार आयोजित किया गया था :

- बीएमजे संसाधनों तक कैसे पहुंचें पर 22 फरवरी 2021 को दोपहर 2.30 बजे वेबिनार
- ''अपटूडेट – क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट रिसोर्स किस तरह से कई देखभाल टीमों को सर्वोत्तम देखभाल निर्णय लेने और चिकित्सा ज्ञान बढ़ाने में मदद कर सकता है, इस पर परिचय और प्रदर्शन'' पर 24 फरवरी 2021 को अपराह्न 3.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक वेबिनार।
- इसके अतिरिक्त, अधिकारियों को डेटाबेस की कार्यप्रणाली, शोध पत्रिकाओं की उपयोगिता और उन सेवाओं से परिचित कराने के लिए इन डेटाबेस तक परीक्षण पहुंच प्रदान की गई थी जो ये डेटा बेस अनुसंधान वैज्ञानिकों के लिए प्रदान करते हैं।

इसके अतिरिक्त, सीसीआरएच के अधिकारियों के लिए 18 मार्च 21 को स्टेटक्राफ्ट डेमो पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था जिसमें अधिकारियों को सॉफ्टवेयर के कामकाज के बारे में जागरूक किया गया था।

अनुसूचित जाति उप कार्यक्रम (एससीएसपी)

मुख्य रूप से अनुसूचित जाति क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाने वाले क्षेत्रों में स्वच्छ भारत से जुड़ी सामान्य आबादी की क्षमता निर्माण के साथ स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता और प्रबंधन

अनुसूचित जाति उप कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रावधान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। परिषद के केंद्रों के माध्यम से स्वच्छ भारत से जुड़ी सामान्य आबादी के क्षमता निर्माण के साथ स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता और प्रबंधन पर एक कार्यक्रम चलाया गया।

उद्देश्य

- होम्योपैथी के माध्यम से सामान्य आबादी के स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन को बढ़ावा देना।

- अनुसूचित जाति क्षेत्रों की सामान्य आबादी की क्षमता निर्माण के साथ जागरूकता पैदा करना।
- चिन्हित क्षेत्रों में स्वच्छ भारत को बढ़ावा देना।
- सामान्य आबादी के बीच 11 सामान्य बीमारियों के लिए एचसीडब्ल्यू को दिए गए घरेलू उपचार किट के माध्यम से दवाएं उपलब्ध कराना।
- गांवों में सबसे अधिक प्रचलित बीमारी की पहचान करना।
- रोगी के अनुवर्तन को बनाए रखने के लिए।

किये गये कार्यकलाप

- अनुसूचित जाति की आबादी को निशुल्क मेडिकेयर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना।
- गांवों में आम प्रचलित बीमारी की पहचान।
- स्वास्थ्य संवर्धन और स्वास्थ्य शिक्षा।
- एचसीडब्ल्यू को उपयोगकर्ता पुस्तिका के साथ 11 सबसे आम बीमारियों के लिए घरेलू उपचार किट प्रदान की गई
- संस्थान के नोडल अधिकारियों द्वारा एचसीडब्ल्यू का प्रशिक्षण किया गया ।

उपलब्धियाँ

- कार्यक्रम में शामिल स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की संख्या –115
- चिन्हित गांवों की संख्या– 26
- कुल घरेलू सर्वेक्षण– 49410
- आयोजित शिविरों की संख्या – 696
- एचसीडब्ल्यू से लाभान्वित होने वाले रोगियों की संख्या –18010
- ओपीडी में लाभान्वित कुल रोगियों की संख्या – 8480
- एसआरएफ/जेआरएफ को रेफर किए गए मरीजों की संख्या –4391
- ओपीडी में आम तौर पर पहचाने जाने वाले रोग – पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, जोड़ों का दर्द, जिल्द की सूजन और एक्जिमा, गैस्ट्राइटिस, एलआरटीआई, यूआरटीआई, सरवाइकल और लम्बर स्पोंडिलोसिस।
- घरेलू सर्वेक्षण में आम तौर पर पहचाने जाने वाले रोग– यूआरटीआई, गैस्ट्राइटिस, चोट, तनाव/सोने में कठिनाई, बच्चों में शुरुआती दांत आने में परेशानी।

संस्थान वार विवरण निम्नानुसार हैः–

- समग्र उपचार निशुल्क प्रदान करने के उद्देश्य से श्रीमती सुजाता द्वारा 17 फरवरी 2021 को कुरिची पंचायत में और श्रीमती लवली, नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा 18 फरवरी 2021 को एट्टूमानूर नगरपालिका में एससीएसपी कार्यक्रम का उद्घाटन और शुभारंभ किया गया। शिविर का समन्वय डॉ अरुण कृष्णन आरओ (एच)/एस–1 के साथ डॉ दीप्ति (एसआरएफ) और डॉ जोसेफ (जेआरएफ), डॉश्रुथी (जेआरएफ) और एमटीएस कार्यकर्ता द्वारा किया गया। उद्घाटन के अवसर पर स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों (एचसीडब्ल्यू) को घरेलू उपचार किट वितरित किए गए।

कुरिची पंचायत में एससीएसपी कार्यक्रम का उद्घाटन

कुरिची पंचायत में शिविर ओपीडी

- कोवलम पंचायत के कुंदरूकाडु क्षेत्र में एनआईईपीएमडी चेन्नई में निदेशक कार्यवाहक थिरु नचिकेता राउत द्वारा 22 फरवरी 2021 को एचआरआईडी, चेन्नई का उद्घाटन किया गया। थिरुगोपू, उप प्रखंड विकास अधिकारी, तिरुपुर ब्लॉक विशिष्ट अतिथि थे।

एचआरआईडी चेन्नई द्वारा आयोजित 'एससीएसपी स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम'

- सिलीगुड़ी में एससीएसपी कार्यक्रम का उद्घाटन 23 फरवरी 21 को क्षेत्र के वरिष्ठ निवासियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा गोसाईंपुर इलाके में किया गया।

कोट्टायम के पीजीटी के तीसरे बैच का प्रेरण समारोह

- एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम के पीजीटी के तीसरे बैच का प्रेरण समारोह 1 मार्च 2021 को सुबह 10.30 बजे संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ पीजीटी द्वारा प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया। अध्यक्षीय भाषण प्राचार्य डॉ. आर. सिथरथन ने दियाय उद्घाटन भाषण प्रभारी अधिकारी डॉ. के.सी मुरलीधरन द्वारा दिया गया और मुख्य भाषण डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच द्वारा दिया गया, जो एक वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह के लिए आमंत्रित किए गए गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. पी.जी.आर पिल्लई, सदस्य, स्थायी वित्त समिति, एनएचआरआईएमएच और पूर्व चिकित्सा अधीक्षक शामिल थे। मेडिकल कॉलेज अस्पताल कोट्टायम जिन्होंने अपने ज्ञानपूर्ण शब्दों और ज्ञान के साथ नए पीजीटी को भी प्रबुद्ध और प्रोत्साहित किया। अगले आमंत्रित अतिथि में डॉ. बिंदु कुमारी एचओडी, ऑर्गन विभाग एएनएसएस होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, कोट्टायम शामिल थे। मंच पर उपस्थित वरिष्ठ संकाय सदस्यों में डॉ. एन.डी. मोहन प्रो. एवं विभागाध्यक्ष, मनश्चिकित्सा, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायमय डॉ. आर. भुवनेश्वरी एसोसिएट प्रोफेसरध्अनुसंधान अधिकारी (एच)/एस–2, मनश्चिकित्सा विभाग, एनएचआरआईएमएच कोट्टायम और डॉ. एस करुणाकरमूर्ति एसोसिएट प्रोफेसर/अनुसंधान अधिकारी (एच)/एस–2, मनश्चिकित्सा विभाग, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम शामिल थे। कार्यक्रम में एनएचआरआईएमएच के सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और वरिष्ठ पीजीटी ने भाग लिया।

प्रभारी अधिकारी, डॉ. के. सी. मुरलीधरन तीसरे बैच के पीजीटी के अधिष्ठापन समारोह में उद्घाटन भाषण देते हुए

एनएचआरआईएमएच में प्रेरण समारोह में संकाय और अतिथि के साथ पीजीटी का तीसरा बैच

- संस्थान में नए पीजीटी का स्वागत करने की परंपरा के एक भाग के रूप में, एनएचआरआईएमएच के सभागार में 18 मार्च 2021 को पीजीटी के दूसरे बैच द्वारा नए बैच के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत एक पारंपरिक गीत से हुई और उसके बाद नए पीजीटी के प्रदर्शन के साथ उनका संक्षिप्त परिचय दिया गया। सभी कोविड प्रोटोकॉल को श्रोतागण की सीमित संख्या के साथ सामाजिक दूरी और मास्क लगाने जैसे व्यवहारों को बनाए रखा गया ।

संकाय और अनुसंधान अधिकारियों के साथ पीजीटी के सभी तीन बैच

पोषण पखवाड़ा

- कुपोषण पर गंभीर चिंताओं की एक पहल के रूप में जागरूकता पैदा करने के लिए एनएचआरआईएमएच में 16 से 31 मार्च 2021 तक पोषण पखवाड़ा मनाया गया, जिससे हर नागरिक को कुपोषण को हराने और कुपोषण मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला का समन्वय पीजीटी की सक्रिय भागीदारी के साथ डॉ. धनराज कुमार राणा, आरओध्एस–1 द्वारा किया गया। गतिविधियों में सोशल मीडिया के माध्यम से ई–पोस्टर के प्रसार द्वारा पोषण और जागरूकता के विभिन्न विषयों पर पीजीटी द्वारा जनता के लिए जागरूकता शामिल है।

एनएचआरआईएमएच अस्पताल की वेटिंग लॉबी में स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान लेते हुए

- पोषण पखवाड़ा 23 मार्च 2021 को डीएसीआरआरआई (कोलकाता) द्वारा शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत रोगियों को पोषण पखवाड़ा पर एक ऑडियो–विजुअल व्याख्यान और पोषण 5 सूत्रों की उपयोगिता (पहले 1000 दिन, एनीमिया, दस्त, हाथ धोने और स्वच्छता, पौष्टिक आहार) और स्थानीय भोजन में उपलब्धता और स्वास्थ्य शिविर की आवश्यकता पर पोषण संबंधी वीडियो प्रदर्शित किया गया) इसके अलावा स्थानीय भोजन की आवश्यकता और नियमित समय पर भोजन का नियमित सेवन पर पोषण संबंधित वीडियो भी दिखाए गये। पोषण रैली ने संस्थान के आसपास के क्षेत्रों में पोषण के 5 सूत्रों के बारे में जागरूकता पर नारे दिए। साथ ही घर में पौष्टिक उद्यान कैसे बनाए रखें, घर में साफ–सफाई पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए गये । खचित्र 24, 25,

डी.ए.सी.आर.आर.आई (एच) कोलकाता के ओ.पी.डी में पोषण सूत्र पर व्याख्यान

डीएसीआरआरआई (एच), कोलकाता में न्यूट्री गार्डन

- एचआरआईडी, चेन्नई के रोगियों के लिए 23.03.2021 को जागरूकता कार्यक्रमय एनआईईपीएमडी परिसर में 24.03.2021 को रैली आयोजित किया गया, न्यूट्री गार्डन वृक्षारोपण पर 26.03.2021 और 30.03.2021 को गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन वेबिनार किया गया। रैली का नेतृत्व डॉ. कोल्ली राजू, आरओ (एच), एस –4, अधिकारी प्रभारी, एचआरआईडी, चेन्नई ने किया और उसके बाद डॉ गोलीशिव प्रसाद, आरओ (एच), एस –1, डॉ डी कार्तिकेयन, आरओ (एच), एस –2 और एचआरआईडी, चेन्नई के कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

एचआरआईडी, चेन्नई द्वारा आयोजित
'पोषण पखवाड़ा जागरूकता रैली कार्यक्रम'

एचआरआईडी, चेन्नई द्वारा आयोजित
'न्यूट्री गार्डन प्लांटेशन प्रोग्राम'

- आरआरआई (एच), पुरी में 16 से 31 मार्च 2021 तक पोषण पखवाड़ा मनाया गया। इस कार्यक्रम के तहत रोगियों को पांच सूत्रों (पहले 1000 दिन, एनीमिया, दस्त, हाथ धोने और स्वच्छता) के बारे में जागरूक किया गया। ओपीडी में आने वाले मरीजों को कुपोषण की व्यापकता, बच्चों में इसकी पहचान और इसके प्रबंधन के बारे में जागरूक किया गया। ओपीडी हॉल में बैनर, आईईसी सामग्री का प्रदर्शन भी किया गया। 10 साल तक के बच्चों की लंबाई और वजन मापी गई।

कुपोषण और इसके प्रबंधन पर
ओपीडी रोगियों की जागरूकता

- आरआरआईएच, अगरतला रोगियों के लिए 24.03.2021 को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया थाय एनीमिया, डायरिया, 25.03.2021 से 31.03.2021 तक पौष्टिक आहार पर रोगियों के साथ पोषण स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गयीय न्यूट्री गार्डन प्लांटेशन पर गूगल मीट के माध्यम से 26.03.2021 और 30.03.2021 को ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।

होम्योपैथी के
क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, अगरतला
में जागरूकता कार्यक्रम

- आरआरआई (एच), इंफाल की ओपीडी में मरीजों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्य रूप से पांच सूत्र, बच्चे के पहले 1000 दिन, एसएएम/एमएएम और इसकी पहचान, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली मां में पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया गया था। बच्चों को खिलानाध्पोषण, बच्चों में दस्त, और खाद्य वानिकी चिकित्सा उद्यान पर भी जागरूकता फैलाई गयी ।

होम्योपैथी के
क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, इंफाल
में जागरूकता कार्यक्रम

- डॉ. डी.पी. रस्तोगी सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर होमियोपैथी, नोएडा ने पोषण और संतुलित आहार, पोषण पांच सूत्र, अच्छी पोषण प्रथाओं, जीवन के पहले 1000 दिनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कुपोषण से लड़ने के तरीके, महिलाओं और बच्चों में कमी विकार, अच्छे पोषण पर जागरूकता व्याख्यान के साथ पोषण पखवाड़ा मनाया। कुपोषण से लड़ना, संतुलित आहार का महत्व और खाद्य स्वच्छता बनाए रखना, डायरिया को कैसे रोका जाए और ओपीडी में रोगियों को एनीमिया की रोकथाम और प्रबंधन पर भी चर्चा की गयी ।

''पोषण और संतुलित आहार'' पर
प्रभारी अधिकारी, डॉ. मोहन सिंह द्वारा जागरूकता
और डॉ. श्वेता गौतम, आरओ/एस–1 ने
डीडीपीआरसीआरआई, नोएडा में ओपीडी में
रोगियों को ''पोषण के पंच सूत्र'' पर व्याख्यान देते हुए।

- औषधि मानकीकरण इकाई (होम्योपैथी), हैदराबाद के रोगियों के लिए 23.03.2021 से 27.03.2021 तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयरन युक्त आहार पर विशेष ध्यान देते हुए पोषण और दैनिक जीवन में इसके महत्व के बारे में माता–पिता के लिए परामर्श आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम के कुल लाभार्थी 542 थे।

ओपीडी, डीएसयू (एच), हैदराबाद में
पोषण संबंधी पोस्टरों का प्रदर्शन

- औषधि प्रमाणन इकाई, भुवनेश्वर में हैंड वाश, स्वच्छता, एनीमिया, डायरिया आदि के बारे में जागरूकता अभियान चलाया गया। पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया और रोगियों की जागरूकता के लिए ओपीडीध्स्वास्थ्य शिविर में आईईसी सामग्री वितरित की गई।

डीपीयू, भुवनेश्वर में पोषण स्वास्थ्य वार्ता

- क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी ने ओपीडी में रोगियों के बीच पोषण स्वास्थ्य, जैसे– 5 सूत्रों के बारे में जागरूकता अभियान (पहले 1000 दिन, एनीमिया, दस्त, हाथ धोने और स्वच्छता, और पौष्टिक आहार) विषय पर वार्ता का आयोजन किया ताकि कुपोषण की व्यापकता और इसके परिणामों के बारे में जागरूकता विकसित की जा सके । साथ ही मरीजों को जागरूक करने के लिए ओपीडी हॉल में पोस्टर व बैनर, आईईसी सामग्री का वितरण किया गया।

डॉ. रंजीत सोनी, आरओ (एच)/एस–1 द्वारा पोषण स्वास्थ्य वार्ता

- ओपीडी रोगियों के लिए बच्चों और गर्भवती महिलाओं में पोषण के महत्व, स्कूली बच्चों में सामान्य पोषण संबंधी समस्याएं और स्कूली बच्चों को संतुलित आहार, एससीएसपी–एसबीएम में आंगनवाड़ी बच्चों में पोषण और स्वच्छता पर क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, गुड़ीवाड़ा द्वारा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। डॉ. बीएसजे राजा कुमार, आरओ (एच), वैज्ञानिक – 4, प्रभारी अधिकारी, आरआरआई द्वारा गोद लिए गए गांव परियोजना, स्कूली बच्चों के लिए पोषण अभियान का महत्व और नगर प्राथमिक विद्यालय, गुडीवाडा आदि में स्वास्थ्य में मैक्रो और सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व के बारे में जानकारी दी गयी। चित्र 35

अधिकारी प्रभारी, आरआरआई (एच), गुडीवाड़ा की देखरेख में अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा ''पोषण अभियान'' पर जागरूकता रैली

- पोषण पखवाड़ा गतिविधि के तहत आरआरआई (एच) मुंबई द्वारा 24 मार्च 2021 को विपश्यना बुद्ध विहार, सिद्धार्थ कॉलोनी, चेंबूर, मुंबई में इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया। एक–एक रोगी से व्यकतिगत बातचीत उन्हें पोषण पखवाड़ा के महत्व के बारे में बताती है और उन्हें इसके बारे में जानकारी देती है, जो 16 मार्च से 31 मार्च तक मनाया जाता है। ~~(चित्र 36)~~

आरआरआई (एच) मुंबई में रोगी बातचीत सत्र

- क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (एच), तिरुपति द्वारा ओपीडी में आने वाले रोगियों के लिए संतुलित आहार, खनिज युक्त आहार, विटामिन और प्रोटीन के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार के महत्व के संबंध में हैंडआउट्स वितरित किये गये

सीआरयू (एच), तिरुपति में जागरूकता अभियान

- क्लिनिकल होम्योपैथी रिसर्च यूनिट, सिलीगुड़ी द्वारा25 मार्च 2021 को पोषण पखवाड़ा की शुरुआत की गई थी। इस कार्यक्रम के तहत अभियान के माध्यम से रोगियों को पोषण पखवाड़ा और पोषण की कमी पर जागरूकताय बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में पोषण संबंधी परिणामों में सुधार कैसे किया जाए, इसके बारे में जागरूक किया गया। डिजिटल योग पंचायत का भी आयोजन किया गया। साथ ही प्रभात फेरी/मॉर्निंग वॉक द्वारा पोषण पखवाड़ा के संबंध में स्थानीय जनता के बीच जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए गये ।

सीआरयू (एच), सिलीगुड़ी के ओपीडी रोगियों के बीच जागरूकता व्याख्यान

- क्लिनिकल होम्योपैथी रिसर्च यूनिट, ऐजावल ने रोगियों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयुष भवन में पोस्टर प्रदर्शित करके पोशन पखवाड़ा मनाया। ~~(चित्र 39)~~

रोगियों की जागरूकता के लिए
ओपीडी और आयुष भवन में
पोस्टरों का प्रदर्शन

- क्लिनिकल होम्योपैथी रिसर्च यूनिट, पोर्ट ब्लेयर ने पोषण और संतुलित आहार के महत्व और सोशल मीडिया पर पोषण पखवाड़ा पर ध्यान केंद्रित करने वाले रोगियों के स्वास्थ्य में सुधार के तरीकों के बारे में जागरूकता पैदा की। रोगियों को पोषण और स्वस्थ आहार के बारे में ओपीडी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मैक्रो और सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व शामिल था। रोगियों को 5 सूत्र (पहले 1000 दिन, एनीमिया, दस्त, हाथ धोने और स्वच्छता, पौषिक आहार) और उनके महत्व के बारे में एक अभियान चलाया गया। साथ ही ई–पोस्टर भी प्रदर्शित किए गये।

सीआरयूएच, पोर्ट ब्लेयर में
प्रभारी अधिकारी, डॉ उत्तम सिंह,
एनीमिया की रोकथाम और
संतुलित आहार के बारे में
जानकारी देते हुए

- पोषण पखवाड़ा की शुरुआत 26 मार्च 2021 को क्लिनिकल होम्योपैथी रिसर्च यूनिट, रांची के द्वारा की गई थी। इस कार्यक्रम के तहत पोषण पखवाड़ा और पोषण की कमी, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में पोषण संबंधी परिणामों में सुधार कैसे करें, इस बारे में जागरूकता अभियान के माध्यम से रोगियों को जागरूक किया गया। साथ ही प्रभात फेरियों द्वारा पोशन पखवाड़ा के संबंध में स्थानीय जनता के बीच जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया।

सीआरयू (एच), रांची में
जागरूकता रैली

- पोषण पखवाड़ा 2021 गतिविधियों के तहत स्वस्थ पोषण, एनीमिया, उचित हाथ धोने की तकनीक और स्वच्छता पर जागरूकता पैदा करने के लिए सीवीयू एच, पटना के ओपीडी परिसर में एक व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम के एक

भाग के रूप में सीवीयू (एच) पटना ने पोशन के पांच सूत्र, बच्चे के पहले 1000 दिन, दस्त की रोकथाम, पौषिक आहार आदि के बारे में ओपीडी परिसर में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एक डिजिटल व्याख्यान आयोजित किया ।

सीवीयू एच, पटना में जागरूकता व्याख्यान

- केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, जयपुर ने ओपीडी में रोगियों के बीच कुपोषण की व्यापकता और इसके परिणामों के बारे में जागरूकता विकसित करने, 5 सूत्रों (पहले 1000 दिन, एनीमिया, दस्त, हाथ धोने और स्वच्छता, और पौष्टिकाहार) के बारे में जागरूकता अभियान चलाने के लिए अभियान चलाया। साथ ही मरीजों को जागरूक करने के लिए ओपीडी हॉल में पोस्टर व बैनर, आईईसी सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही संस्थान के पास रैलीध्वॉकध्प्रभातफेरी का आयोजन किया गया।

सीआरआई (एच), जयपुर में जागरूकता अभियान

- सीआरयू (एच), पुडुचेरी के रोगियों के लिए 23.03.2021 से 31.03.2021 तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। दैनिक जीवन में पोषण और इसके महत्व और कुपोषण की व्यापकता और इसके परिणामों के बारे में जागरूकता अभियान चलाया गया, 5 सूत्रों के बारे में जागरूकता अभियान चलाया गया। साथ ही पोस्टर व बैनर भी प्रदर्शित किए गए।

महिला दिवस समारोह का आयोजन

- महिला दिवस मनाने के लिए 21 मार्च को मुख्यालय सभागार में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सदस्यों और अधिकारियों ने संगठन और समाज में महिलाओं की भूमिका, जेंडर सेंसिटिवाइजेशन की जरूरत पर अपने विचार व्यक्त किए।
- मंच पर डॉ बिंदु शर्मा, डॉ प्रवीण ओबराय, डॉ जया गुप्ता, श्रीमती इंदिरा, श्रीमती सविता उपथित थे ।
- डॉ अनिल खुराना, महानिदेशक, सीसीआरएच, डॉ बिंदू शर्मा, डॉ प्रवीन ओबराय, श्री एच. ओ कौशिक ने मुख्यालय के सभी कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ रोजा, डॉ दिग्विजय वर्मा, डॉ रितिका नरूला, डॉ दिव्या द्वारा समन्वित शब्दों को प्रोत्साहित किया गया ।
- सीआरआईएच, नोएडा की ओपीडी में श्री एचओ कौशिक, डॉ मोहन सिंह, डॉ पंकज गुप्ता, डॉ पद्मालय रथ, डॉ पृथा

मेहरा, डॉ श्वेता गौतम द्वारा मां और बच्चे की देखभाल पर पुस्तिका का वितरण और वितरण। श्री एचओ कौशिक, डॉ मोहन सिंह, डॉ सुभाष कौशिक, डॉ पंकज गुप्ता, डॉ पद्मालय रथ द्वारा भाषण भी दिया गया ।

- एचआरआईडी चेन्नई ने एनआईईपीएमडी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

सीसीआरएच की महिला वैज्ञानिक

सेवानिवृत्तियां

1. डॉ. सी. एच रवींद्रन, सहायक निदेशक (एच), 21 जनवरी 2021 को आर आर आई (एच), गुडीवाढ़ा से सेवानिवृत्त हुए।
2. श्री बी रत्ना प्रसाद, भेशजज्ञ, 31 जनवरी 2021 को आर आर आई (एच), गुडीवाढ़ा से सेवानिवृत्त हुए।
3. श्रीमती निर्मला कुमार, उच्च श्रेणी लिपिक, 31 जनवरी 2021 को आर आर आई(एच), गुडीवाढ़ा से सेवानिवृत्त हुए।
4. श्री लाल सिंह बिश्ट, चपरासी, 28 फरवरी 2021 को सीसीआरएच (मुख्यालय), नई दिल्ली से सेवानिवृत्त हुए।

परिषद् इनके सेवानिवृत्ति के पश्चात् स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करती है।